अध्याय—3

अध्याय–3

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

(3.0.0) प्रस्तावना

अनुसंधान कार्य को सही दिशा में अग्रसर होने के लिये आवश्यक होता है कि शोध की एक व्यवस्थित रूप रेखा हो इसमें प्रतिदर्श के चयन की अपनी भूमिका होती है। एक अच्छा तथा उपयोगी प्रतिदर्श सम्पूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिदर्श जितने अधिक सुदृढ़ होगे परिणाम उतने ही परिशुद्ध, वैद्य एवं विश्वसनीय होगें। इसके बाद उपकरण तथा चयन प्रविधि महत्वपूर्ण होती है जिसके आधार पर प्रदत्तों का संकलन किया जाता है। प्रस्तुत अध्याय में शोध कार्य के संकल सम्पादन के लिये प्रतिदर्शो का विवरणवत उपकरण प्रदत्तों का संकलन का वर्णन किया गया है।

इस अध्याय को निम्नलिखित मुख्य शीर्षकों में विभक्त किया गया है।

1. शोध विधि

2. न्यादर्श चयन

3. उपकरणोां का चयन

4. उपकरणों का विवरण

5. उपकरणों का फलांकन

7. प्रदन्त विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियॉ

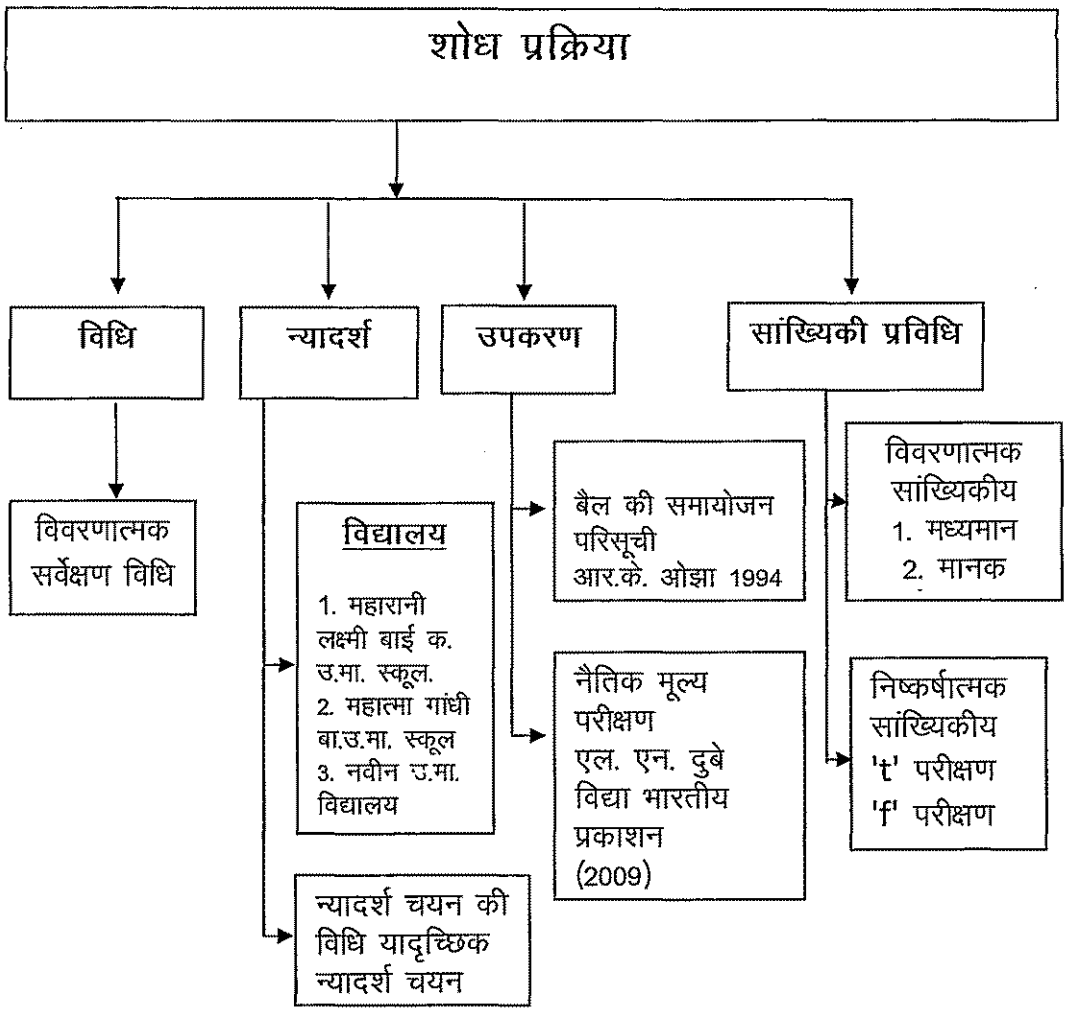

(3.1.0) शोध विधि का चयन :–

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

(3.2.0) न्यादर्श का चयन :

किसी भी अनुसंधान कार्यो में प्रतिदर्श का चुनाव एवं उसकी संख्या महत्वपूर्ण पहलू होता है प्रस्तुत अध्ययन में समय सीमा का ध्यान रखते हुए प्रतिदर्श को उद्देश्य पूर्ण प्रकार से चयनित किया गया है। उसमें शोधकर्ती द्वारा भोपाल शहर के तीन स्कूल जिसमें एन.सी.सी. व एन.एस.एस. कार्यक्रम संचालित होते है का चयन प्रस्तुत शोध कार्य हेतु किया गया है।

(3.2.1) **विद्यालयों का चयन** – प्रस्तुत शोध हेतु विद्यालयों का चयन निम्नलिखित आधारों पर किया गया है –

1. विद्यालयों में एन.सी.सी. व एन.एस.एस. कार्यक्रमों का संचालित होना।

2. विद्यालयों की स्थिति व दूरी।

3. विघालयों से अधिकतम सहयोग।

इस आधार पर निम्निलिखित तीन विद्यालयों का चयन किया गया है।

1. महारानी लक्ष्मी बाई क.उ.मा. विद्यालय

2. महात्मा गांधी बा.उ.मा. विघालय

3. नवीन उ.मा. विद्यालय

(3.2.2) न्यादर्श इकाई का चयन – न्यादर्श इकाई के चयन हेतु विद्यालयों से यादृच्छिक विधि से न्यादर्श का चयन किया गया जो निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित है।

क्र.	विद्यालय का नाम	एन.सी.सी. कैडेट्स (30)		एन.एस.एस. स्वयंसेवक (30)		सामान्य विद्यार्थी (30)		कुल (90)	
		छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं	छात्र	छात्राऐं
1	एम.एल.बी. क. उ.मा.विद्यालय	–	–	–	15		15		30
2	एम.जी. बालक. उ.मा. विद्यालय	15	–	–	–	–	15	30	
3	शास.नवीन. उ. मा.विद्यालय	5	10	10	5	–		15	15
कुल	**90**	**20**	**10**	**10**	**20**		**30**	**45**	**45**

(3.3.0) उपकरणों का चयन :– किसी भी शोध कार्य की सफलता में प्रदत्तों के संकलन हेतु जिस उपकरण का प्रयोग किया जाता है उसकी अत्यधिक

महत्ता होती है प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी को एन.सी.सी. कैडेट्स, एन.एस. एस. स्वयं सेवकों व अन्य विद्यार्थियों का अध्ययन समायोजन क्षमता व नैतिक मूल्य के संदर्भ में करना है अतः शोधकर्ती द्वारा निम्न दो उपकरणों का चयन किया गया है।

1. बैल की समायोजन परिसूची (BAI)

2. नैतिक मूल्य परीक्षण

(3.3.1) उपकरणों का विवरण :–

1. बैल की समायोजन परिसूची :– बैल की समायोजन परिसूची का रूपान्तरण आर. के. ओझा द्वारा सन् 1994 में किया गया जिसको अंकुर, मनोविज्ञान एजेंसी, लखनऊ द्वारा प्रकाशित किया गया। समायोजन परिसूची के परीक्षण के चार भाग है –

1. गृह
2. स्वास्थ्य
3. सामाजिक
4. संवेगात्मक

प्रत्येक भाग में 35 प्रश्न दिये है। प्रत्येक प्रश्न के समाने दो विकल्प हॉ तथा नहीं दिये है यदि आप प्रश्न का उत्तर हॉ में देना चाहते अर्थात् प्रश्न में दी गयी बातों से आप सहमत है तो आप ''हॉ'' के नीचे वाले खाने में गुणा का चिन्ह लगावे। यदि आपका उत्तर नकारात्मक है अर्थात् प्रश्न में दी बातों से आप असहमत है तो ''नहीं'' के नीचे वाले खाने में गुणा का चिन्ह लगावे यद्यपि समय का कोई प्रतिबंध नहीं है किन्तु सभी प्रश्नों के उत्तर शीघ्र देने का प्रयत्न कीजिए।

2. नैतिक मूल्य परीक्षण :– विद्या भारती प्रकाशन शोध केन्द्र सरस्वती शिक्षा महाविद्यालिय जबलपुर द्वारा सन् 2000 में प्रकाशित किया गया।

नैतिक मूल्य परीक्षण के चार भाग है :

1. ईमानदारी
2. लगनशीलता
3. मानवता
4. विनम्रता

प्रत्येक भाग में 15 प्रश्न दिये गये है कुल 60 प्रश्न है इस परीक्षण में कुछ परिस्थितियॉ दी गयी है प्रत्येक परिस्थिति में व्यवहार के तीन विकल्प दिये गये है आपका प्रिय मित्र इन परिस्थितियों में जिस प्रकार का व्यवहार करेगा उसकी कल्पना कर आपकों प्रत्येक तीन विकल्पों में से कोई एक उत्तर का चुनाव करना है चुने हुए विकल्प के सामने वाले खाने में गुणित का निशान लगा दीजिए इस मापनी को भरने के लिये कोई समय निर्धारित नहीं है परंतु आप शीघ्र से शीघ्र इसे पूरा करने का प्रयास कीजिए।

विद्यार्थियों को यह बताया गया यह प्रक्रिया पूर्णतः उनके स्कूली उपलब्धि से भिन्न है एवं उनकी बुद्धि क्षमता का मापन नहीं करती है।

(3.3.2) उपकरणों का फलांकन –

1. बैल की समायोजन परिसूची का फलांकन (BAI)– प्रत्येक छात्र द्वारा जो उत्तर दिये गये है, वो हाँ या नहीं के रूप में है। प्रत्येक हाँ को एक प्राप्तांक दिया गया और इस प्रकार कुल प्राप्तांको की गणना की गई। यह नकारात्मक परिसूची है।

3. नैतिक मूल्य परीक्षण का फलांकन – परीक्षण में कुल 60 कथन है हर कथन के तीन विकल्प दिये गये है, इन विकल्पों से एक विकल्प नैतिक मूल्य को दर्शाता है उसी विकल्प को एक अंक दिया जाता है और अन्य को शून्य और इस प्रकार कुल प्राप्तांक की गणना की गई।

(3.4.0) प्रदत्तों के विश्लेषण के लिये प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियॉ :— प्रदत्तों के विश्लेषण के लिये निम्नालिखित सांख्यिकी प्रविधियों का प्रयोग किया गया।

(A) प्रयुक्त विवरणात्मक सांख्यिकी प्रविधियॉः—

(i) मध्यमान (ii) मानक विचलन

(B) प्रयुक्त निष्कर्षात्मक सांख्यिकी प्रविधियॉ :—

(i) 't' परीक्षण (ii) 'f' परीक्षण

●●●●●●●